

ग्रसाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II --- सण्ड 3--- उपसण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 91

मई बिल्ली, बृहस्पतिबार, ग्राप्रैल 26, 1973/त्रैशाख 6, 1895

No. 91}

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 1973/VAISAKHA 6, 1895

इस भाग में भिल्न पुष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

#### NOTIFICATION

New Dolhl, the 26th April 1973

G.S.R. 208(E).—Whereas a Fact Finding Committee has been set up under the Resolution of Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 19/3/72-Press, dated the 14th April, 1972 for the purpose of making an inquiry into a definite matter of public importance, namely, the economics of the newspaper industry;

And whereas the Fact Finding Committee had addressed a detailed questionnaire to all the daily newspapers in September, 1972 requesting information and data on matters pertaining to the terms of reference which, in the opinion of the Fact Finding Committee, may be useful or relevant to the subject matter of the inquiry;

And whereas only a small number of daily newspapers have furnished the requisite information and data;

And whereas the information and data supplied by some daily newspapers have been found to be insufficient or inadequate;

And whereas a large number of daily newspapers have still not furnished any information or data;

And whereas having regard to the nature of the inquiry and the circumstances of the case, the Central Government is of opinion that all the provisions of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) other than the provisions of sub-section (1) of section 5 thereof should be made applicable to the said Fact Finding Committee;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that all the provisions of the said Act other than the provisions of sub-section (1) of section 5 thereof shall apply to the said Fact Finding Committee.

[No. F.19/2/73-Press.]

A. J. KIDWAI, Secy.

# सुचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय

# ग्रधिसूचना

### नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1973

जी ० एस ० ग्रार ० 208 (ग्र) --- यतः लोक महत्व के एक निश्चित विषय, ग्रर्थात समाचार-पत्न उद्योग की ग्रार्थिक व्यवस्था, की जांच करने के प्रयोजनार्थ भारत सरकार के मूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय के संकल्प सख्या 19/3/72-प्रेस, तारीख 14 ग्रप्रैल, 1972 के ग्रधीन एक तथ्य ग्रन्थेषक समिति गठित की गई है;

ग्रौर यतः तथ्य ग्रन्वेषक समिति ने सितम्बर, 1972 में सभी दैनिक समाचार-पत्नों को एक विस्तृत प्रश्नावली भेजी थी जिसमें निर्देश के निबन्धनों से सम्बन्धित विषयों के सम्बद्ध में जान-कारी ग्रौर ग्रांकड़े, जो तथ्य ग्रन्वेषक समिति की राय में जांच की विषय-वस्तु के लिये लाभप्रद या उससे मुसंगत हों देने के लिये निवेदन किया गया था ;

श्रीर यत. केंबल थोड़े ही दैनिक समाचार-पन्नों ने ही श्र्पेक्षित जानकारी श्रीर श्राकड़े दिये है;

ग्रीर यत: कुछ दैनिक समाचार-पत्नों द्वारा दी गई जानकारी श्रीर श्रांकड़े पर्याप्त या यथेष्ट नहीं पार्ये गये हैं ;

श्रौर यतः श्रधिकांश दैनिक समाचार-पत्नों ने ग्रभी तक कोई जानकारी या श्रांकड़े नहीं दिये हैं ; श्रीर यतः जांच की प्रकृति श्रीर मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि जांच द्यायोग द्रिधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 5 की उपधारा (1) के उपबन्धों से भिन्न उसके सभी उपबन्ध उक्त तथ्य श्रन्वेयक ममिति को लागू किये जाने चाहिये;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि उक्त श्रधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के उपबन्धों से भिक्ष उसके सभी उपबन्ध उक्त तथ्य श्रन्वेषक समिति को लागू होंगे।

> [सं॰ फा॰ 19/2/73-प्रेस] ए॰ जे॰ किदवई, सचिव।